8:49 44%
DAKSHINBHARAT_TA...

झूठा अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, अस्पताल द्वारा रही है और जब उन्होंने कानूनी कार्रवाई करने का फैसला लिया है।

राजभाषा हिंदी और डिजिटल डॉटा संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 23 को

पुडुचेरी। पांडिचेरी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा स्वयं-बृहद मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम भाषा-प्रौद्योगिकी का परिचय के अंतर्गत 23 जुलाई को 33वीं राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला का विषय है- राजभाषा हिंदी और डिजिटल डॉटा संरक्षण कार्यशाला की अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष एवं पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. सी. जय शंकर बाबु करेंगे, जो कंप्यूटरीय भाषा-विज्ञान के प्रतिष्ठित विद्वान हैं। यह आयोजन भाषा अध्ययन में उन्नत तकनीकी समावेश की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसमें हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के तकनीकी उन्नयन के साथ-साथ इनके डिजिटल संरक्षण पर भी प्रस्तुति के माध्यम से विस्तृत चर्चा की जाएगी।

मुख्य वक्ता के बतौर उप महाप्रबंधक (राजभाषा), भारतीय खाद्य निगम, नोएडा के डॉ. ए. वेंकटेश्वर राव अपने विस्तृत अनुभव से श्रोताओं को डिजिटल डॉटा संरक्षण के कौशल सिखाएंगे। डॉ. राव मूलतः तेलुगु भाषी हैं और करीब तीस वर्षों से राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में अपनी महती भूमिका निभा रहे हैं। आपने अपने नवोन्मेषी अनुप्रयोगों से भारतीय खाद्य निगम में राजभाषा हिंदी को डिजिटल स्वरूप प्रदान किया है। अभी हाल ही में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा अपने पचास वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'राजभाषा स्वर्ण जयंती समारोह' के अंतर्गत अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित अनेकों प्रतियोगिताओं में से एक 'लघु फिल्म निर्माण प्रतियोगिता' में आपको प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कार्यशाला के सह-संयोजक एवं संचालक के रूप में अनुवाद अधिकारी उमेश कुमार प्रजापति 'अलख' और दिल्ली शिक्षा विभाग, नई दिल्ली की प्रवक्ता हिंदी डॉ. अनुपमा कपूर, सत्र का संचालन और प्रतिभागियों से संवाद करेंगे। यह कार्यशाला ऑनलाइन माध्यम से शाम 6 बजे (भारतीय समयानुसार) आयोजित की जाएगी। गूगल मीट के माध्यम से कार्यशाला से जुड़ने का लिंक: https://meet.google.com/art-tauu-pmo है।

यह आयोजन स्वयम् पहल के अंतर्गत अब तक आयोजित 32 सफल राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यशालाओं की श्रृंखला में अगला कदम है, जिसका उद्देश्य देश भर के विद्यार्थियों/ अध्येताओं/ भाषा चिंतकों/ विद्वानों को डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण और प्रौद्योगिकीय शिक्षा उपलब्ध कराना है। अधिक जानकारी हेतु पांडिचेरी विश्वविद्यालय की आधिकारिक बेवसाइट पर इस लिंक: www.pondiuni.edu.in के माध्यम से देखा जा सकता है। कार्यशाला में भागीदारी के लिए निःशुल्क पंजीकरण लिंक: https://t.ly/LnFNS पर सम्पर्क किया जा सकता है।

अवश्यंभावी है। मृत्यु कब होगी यह कोई नहीं जानता इसलिए मौत आने से पहले धर्म की साधना करते हुए ऐसा जीवन जीए कि दुनिया से विदा होने के बाद भी लोग याद करें। जीवन रूपी दीये की बाती बुझे उससे पहले सद्गुणों की ऐसी रोशनी करें कि हम आत्मकल्याण का लक्ष्य प्राप्त कर सकें। ये विचार पूज्य दादा गुरूदेव मरूधर केसरी मिश्रीमलजी म.सा., लोकमान्य संत, शेरे राजस्थान, वरिष्ठ प्रवर्तक पूज्य गुरूदेव श्रीरूपचंदजी म.सा. के शिष्य, मरूधरा भूषण, शासन गौरव, प्रवर्तक पूज्य गुरूदेव श्री सुकन मुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती युवा तपस्वी श्री मुकेश मुनिजी म.सा के सानिध्य में शुक्रवार को सेवारत्न श्री पुना के तत्वावधान में आयोजित धर्मसभा में व्यक्त किए। धर्मसभा में प्रज्ञारत्न श्री हितेशमुनिजी म.सा. ने भगवान महावीर की अंतिम देशना उत्तराध्ययन सूत्र के साथ वर्णित सुखविपाक सूत्र का वाचन करते हुए कहा कि मनुष्य की आत्मा ही परमात्मा है। हम भगवान को मानते है लेकिन भगवान की नहीं मानते है। बड़ो को मानते है पर उनकी आज्ञा नहीं मानते ओर सेवा नहीं करते है। हम स्वर्ग की तलाश में भटकते है लेकिन जब तक कर्म अच्छे नहीं होंगे वह नहीं मिल सकता। हमारा वर्तमान नरक जैसा है तो भविष्य में स्वर्ग की कामना नहीं कर सकते। भविष्य स्वर्ग जैसा बनाना चाहते है तो उसके लिए कि जीवन को सफल बनाने के लिए उच्च विचार के साथ उत्तम आचरण होना निहायत जरूरी है। पवित्र आचरण के बिना आत्मकल्याण नहीं हो सकता। किसी भी उत्तम ध्येय की प्राप्ति के लिए आचार-विचारों में पवित्रता होना आवश्यक होता है। निर्मल विचार और पवित्र आचरण ही मनुष्य का धर्म है। इनके बिना मनुष्य धर्मात्मा नहीं हो सकता। धर्म के पथ पर चलने वाले का आचरण प्रेरणादायी होता है। धर्मसभा में युवारत्न श्री नानेशमुनिजी म.सा. का सानिध्य भी प्राप्त हुआ।

पूज्य मुकेशमुनिजी म.सा. आदि ठाणा की प्रेरणा से चातुर्मास में त्याग

दक्षिण प्रकाश
DAKSHIN PRAKASH
चेन्नई, 19 जुलाई 2025, शनिवार

तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और विधानसभा सदस्य के. सेल्वापेरुंथगई ने सांसद टी.आर. बालू के साथ शुक्रवार को मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से मुलाकात की।

पांडिचेरी विश्वविद्यालय में हिंदी और डिजिटल डाटा संरक्षण पर 33वीं राष्ट्रीय कार्यशाला 23 जुलाई को

पांडिचेरी, 18 जुलाई (दक्षिण प्रकाश)। पांडिचेरी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा 23 जुलाई 2025, बुधवार को राजभाषा हिंदी और डिजिटल डाटा संरक्षण विषय पर 33वीं राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला स्वयं बृहद मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम 'भाषा-प्रौद्योगिकी का परिचय' के अंतर्गत आयोजित की जा रही है।

कार्यशाला की अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष और पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ सी जय शंकर बाबु करेंगे, जो कंप्यूटर भाषा विज्ञान के जाने-माने विद्वान हैं। इस आयोजन का उद्देश्य हिंदी और भारतीय भाषाओं के तकनीकी विकास के साथ-साथ डिजिटल संरक्षण पर विस्तृत विमर्श करना है। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ ए वेंकटेश्वर राव, उप महाप्रबंधक (राजभाषा), भारतीय खाद्य निगम,

नोएडा आमंत्रित हैं। तेलुगु भाषी डॉ राव पिछले लगभग तीस वर्षों से राजभाषा कार्यान्वयन में सक्रिय हैं। उन्होंने राजभाषा हिंदी को डिजिटल स्वरूप में सशक्त करने के कई नवाचार किए हैं। हाल ही में उन्हें गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित 'राजभाषा स्वर्ण जयंती समारोह' में लघु फिल्म निर्माण प्रतियोगिता हेतु प्रोत्साहन पुरस्कार भी मिला है। सह-संयोजक और सत्र संचालक के रूप में उमेश कुमार प्रजापति अलख (अनुवाद अधिकारी) और डॉ अनुपमा कपूर (प्रवक्ता हिंदी, दिल्ली शिक्षा विभाग) कार्यशाला में संवाद और संचालन का दायित्व निभाएंगे। यह कार्यक्रम शाम 6 बजे से ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया जाएगा। पांडिचेरी विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग अब तक 32 सफल राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यशालाएं आयोजित कर चुका है। यह श्रृंखला भाषा-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक सशक्त प्रयास है। कार्यशाला के संयोजक डॉ सी जय शंकर बाबु ने विद्यार्थियों, अध्येताओं और भाषा-जागरूक नागरिकों से इस ज्ञानवर्धक आयोजन में सम्मिलित होकर लाभ उठाने की अपील की है।

वन बंधु परिषद चेन्नई महिला समिति द्वारा आयोजित दो दिवसीय भव्य प्रदर्शनी का समापन

भारत और आसिर सर्किट, चेन्नई

खुले दिमाग के खुले विचार
ओपन डोर
राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार-पत्र

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय में "राजभाषा हिंदी और डिजिटल डॉटा संरक्षण" विषय पर 32वीं राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

JULY 18, 2025 NEWS

Adv
Sea

पुदुच्चेरी, 18 जुलाई 2025- पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा स्वयं-बृहद मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (SWAYAM MOOC) "भाषा-प्रौद्योगिकी का परिचय" के अंतर्गत 23 जुलाई 2025 बुधवार को 33वीं राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला का विषय है- "राजभाषा हिंदी और डिजिटल डॉटा संरक्षण"

कार्यशाला की अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष एवं पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ० सी. जय शंकर बाबु करेंगे, जो कंप्यूटरीय भाषा-विज्ञान के प्रतिष्ठित विद्वान हैं। यह आयोजन भाषा अध्ययन में उन्नत तकनीकी समावेश की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसमें हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के तकनीकी उन्नयन के साथ-साथ इनके डिजिटल संरक्षण पर भी प्रस्तुति के माध्यम से विस्तृत चर्चा की जाएगी।

मुख्य वक्ता के बतौर डॉ० ए. वेंकटेश्वर राव, उप महाप्रबंधक (राजभाषा), भारतीय खाद्य निगम, नोएडा अपने विस्तृत अनुभव से श्रोताओं को डिजिटल डॉटा संरक्षण के कौशल सिखाएंगे। डॉ० राव मूलतः तेलुगु भाषी हैं और करीब तीस वर्षों से राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में अपनी महती भूमिका निभा रहे हैं। आपने अपने नवोन्मेषी अनुप्रयोगों से भारतीय खाद्य निगम में राजभाषा हिंदी को डिजिटल स्वरूप प्रदान किया है। अभी हाल ही में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा अपने पचास वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'राजभाषा स्वर्ण जयंती समारोह' के अंतर्गत अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित अनेकों प्रतियोगिताओं में से एक 'लघु फिल्म निर्माण प्रतियोगिता' में आपको प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कार्यशाला के सह-संयोजक एवं संचालक के रूप में श्री उमेश कुमार प्रजापति 'अलख', अनुवाद अधिकारी और डॉ० अनुपमा कपूर, प्रवक्ता हिंदी, दिल्ली शिक्षा विभाग, नई दिल्ली सत्र का संचालन और प्रतिभागियों से संवाद करेंगे।

यह कार्यशाला ऑनलाइन माध्यम से शाम 6:00 बजे (भारतीय समयानुसार) आयोजित की जाएगी। गूगल मीट के माध्यम से कार्यशाला से जुड़ने का लिंक: https://meet.google.com/art-tauu-pmo

यह आयोजन स्वयम् (SWAYAM MOOC) पहल के अंतर्गत अब तक आयोजित 32 सफल राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यशालाओं की श्रृंखला में अगला कदम है, जिसका उद्देश्य देश भर के विद्यार्थियों/ अध्येताओं/ भाषा चिंतकों/ विद्वानों को डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण और प्रौद्योगिकीय शिक्षा उपलब्ध कराना है। अधिक जानकारी हेतु पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय की आधिकारिक बेवसाइट पर इस लिंक: www.pondiuni.edu.in के माध्यम से देखा जा सकता है। कार्यशाला में भागीदारी के लिए निःशुल्क पंजीकरण लिंक: https://t.ly/LnFNS

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग, स्वयम् बृहद् मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (SWAYAM MOOC) के माध्यम से भाषा-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। केवल जनवरी 2025 सत्र में ही 1500 से अधिक पंजीकरण यह दर्शाता है कि यह हिंदी-माध्यम पाठ्यक्रम राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है। पाठ्यक्रम लिंक (SWAYAM): https://t.ly/nlvb

इस कार्यशाला के संयोजक डॉ० सी. जय शंकर बाबु ने इस ज्ञान महायज्ञ का लाभ उठाने के लिए सभी को सादर आमंत्रित किया है।